वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 92 | शनिवार 26 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने पीपलोदी हादसे पर ली उच्चस्तरीय बैठक

जर्जर सार्वजनिक भवनों का निरीक्षण कर त्वरित रूप से शुरू किए जाएं मरम्मत कार्य

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की जांच कर दोषियों के विरूद्ध हो सख्त कार्रवाईः मुख्यमंत्री शर्मा

राज्य सरकार ने पिछले दो बजट में शैक्षणिक भवनों के लिए किया 625 करोड़ रुपये का प्रावधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर झालावाड़ जिले के पीपलोदी ग्राम के सरकारी स्कूल में हुए दुखद हादसे के संबंध में उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने समस्त जिलों के जिला प्रशासन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, कार्यकारी एजेंसी, समसा एवं आरएसआरडीसी सहित संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी भवनों, विशेष रूप से स्कूलों, अस्पतालों सहित अन्य सार्वजनिक भवनों का तत्काल निरीक्षण कर मरम्मत कार्य करवाए जाएं। इसके लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाए, जो 5 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करे। शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पीपलोदी हादसे से हम सब दुखी हैं। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए ठोस और त्वरित कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बनाए गए भवनों के निरीक्षण, मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। हाल ही में जिन भवनों की मरम्मत का काम किया गया है, उनकी भी जांच कर गुणवत्ता सुनिश्चित करें तथा कमी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें।

जर्जर भवनों को खाली कराकर किया जाए पुनर्वास

मुख्यमंत्री ने कहा कि जर्जर और उपयोग के लिए असुरक्षित पाए जाने पर भवनों को तुरंत खाली करवाया जाए और प्रभावितों का अन्यत्र सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास किया जाए। उन्होंने कहा कि जर्जर स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों के लिए वैकल्पिक शिक्षण व्यवस्था सुनिश्चित कर उनके लिए अस्थायी कक्षाओं का संचालन सामुदायिक भवनों या अन्य सुरक्षित स्थानों पर किया जाए। उन्होंने इसके लिए शिक्षा विभाग को तुरंत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

भवनों की वार्षिक सुरक्षा ऑडिट के लिए स्थायी तंत्र हो विकसित

मुख्यमंत्री ने कहा कि भवनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सरकारी भवन की वार्षिक सुरक्षा ऑडिट अनिवार्य की जाए। इसके लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन कर स्थायी तंत्र विकसित किया जाए, जिसमें विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन समितियों और स्थानीय पंचायतों को भवन सुरक्षा एवं रखरखाव के लिए प्रशिक्षित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के आंगनबाड़ी केन्द्रों की मरम्मत और रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जाए। सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों का अनिवार्य निरीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2025-26 में 5 हजार आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवनों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झालावाड़ के पीपलोदी में सरकारी विद्यालय की छत गिरने से हुआ हादसा दुखद एवं हृदय विदारक है। इस दर्दनाक हादसे में मासूम बच्चों की मृत्यु से मन व्यथित है। राज्य सरकार दुख की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं भी अधिकारियों और डॉक्टर्स के संपर्क में हैं तथा प्रशासन को हादसे में घायलों के बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को हालात का जायजा लेने के लिए भेजा गया है। बैठक के दौरान पीपलोदी हादसे पर दो मिनट का मौन रखकर मृतक बच्चों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे तथा वीसी के माध्यम से संभागीय आयुक्तगण, जिला कलक्टर्स एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण भी जुड़े।

जर्जर तथा नवीन भवनों के लिए किया बजटीय प्रावधान

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने बजट 2024-25 में प्रदेश की राजकीय शिक्षण संस्थाओं और 750 विद्यालयों के भवनों की मरम्मत हेतु 250 करोड़ रुपए की बजट घोषणाएं की थी। साथ ही, बजट 2025-26 में भी भवनविहीन व जर्जर विद्यालयों के नवीन भवनों के निर्माण और मरम्मत कार्य के लिए 375 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को विकास कार्यों के लिए 28 करोड़ रुपए दे रहे हैं। साथ ही डांग, मगरा, मेवात क्षेत्र विकास योजना, एमएलए लेड, एमपी लेड और जनजाति क्षेत्र विकास योजनाओं की राशि से भी ये कार्य करवाए जा सकते हैं।

आत्मगुणों की खान थे आचार्य आनंद ऋषिजी: उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

जन्म जयंती पर दो सौ आयंबिल तप की भेंट

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

शुक्रवार को शांतिभवन में चातुमार्सार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा के सान्निध्य में श्रमण संघ के द्वितीय आचार्य सम्राट आनंद ऋषिजी महाराज की 125वीं जन्म जयंती श्रद्धा और आयंबिल तप दिवस के रूप में मनाई गई। उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी मानवता के मसीहा और भक्तों के लिए भगवान तुल्य थे। वे अपने गुरु के प्रति समर्पण की साक्षात मूर्ति थे। उन्होंने गुरुवचनों का पूर्ण पालन कर अपने जीवन को निर्मल, पावन और प्रेरणादायक बना लिया। वे श्रमण संघ की दीपशिखा बनकर उसे नई ऊँचाइयों तक ले गए। उन्होंने कहा कि आज हर व्यक्ति महान बनना चाहता है, लेकिन बिना परिश्रम के यह संभव नहीं। यदि हम महापुरुषों के समान बनना चाहते हैं, तो उनके दिखाए धर्मपथ पर चलना अनिवार्य है। तभी हम सच्चे अर्थों में पूज्यनीय और महान बन सकते हैं। महासती विद्याश्री ने कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी शांतिप्रिय, गंभीर, मृदुभाषी और विषम परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखने वाले आदर्श आचार्य थे। उनके भीतर परोपकार, विनय, विद्या जैसे आत्मगुणों का अक्षय भंडार था। उनके तप और त्याग की महिमा को शब्दों में समेट पाना कठिन है। साध्वी हर्षश्री और साध्वी जयश्री ने गीतिका के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि आचार्य आनंद ऋषिजी जैसे दिव्य पुरुष की तुलना किसी सामान्य मानव से नहीं की जा सकती। वे गुण रत्नों के सजीव भंडार थे। शांतिभवन के मंत्री नवरतनमल भलावत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पावन अवसर पर 200 से अधिक श्रद्धालुओं ने साध्वीवृंद के सान्निध्य में आयंबिल तप का प्रत्याख्यान लिया। साथ ही श्री रोडजी स्वामी की 221वीं पुण्य स्मृति के उपलक्ष्य में प्रारंभ हुई अठाई तपस्या में कई श्रद्धालुओं ने एक उपवास का भी पचखान लिया। इस तप आयोजन के मुख्य लाभार्थी मदनलाल, संजय कुमार एवं अजय कुमार चौरड़िया परिवार रहे। इस अवसर पर शांतिभवन अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चीपड़, चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष कंवरलाल सूरिया, मनोहरलाल सूर्या, मनीष बड़ोला, पंकज लालानी, मुकेश भलावत, नवीन नाहर, आजाद नगर संघ अध्यक्ष राजेश बापना, महेंद्र पोखरना, माणकचंद डूगरवाल, सुशील सुराणा, महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी डागा, गरिमा रांका, बलवीर देवी चौरड़िया, कमला चौधरी, प्रमीला सूरिया, इंद्रा भलावत सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। **-प्रवक्ता निलिप्का जैन**

समता भाव से ही आत्मा का कल्याण: मुनि अनुपम सागर

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चल रहे चातुर्मास में मुनि अनुपम सागर व मुनि निर्मोह सागर के सानिध्य में संयम भवन में धर्मसभा में अनुपम वाणी के तहत बताया कि हमारे भाव और कर्म उत्तम होने पर निर्मल व पावन बनेगें, परमार्थ की भावना से किये जाने वाले कार्य में परमात्मा भी हमारे साथ होते है, जीवन में पुरूषार्थ की भावना हमेशा रखनी चाहिये। जो व्यक्ति एक एक शब्द मन्त्रोषधि के समान वरदान होता है और अमल करता है उसी का कल्याण होता है। निर्ग्रन्थ गुरूओं की सकारात्मक बातों को ग्रहण करके और सम्यक प्रकृति के माध्यम से बोधि से समाधि का मार्ग प्रशस्त करना चाहिये। संसार में दो ही चीजे है पहली आकर्षण और दसरी विकर्षण। अपनी ओर खींचना आकर्षण और अपने से दूर करना विकर्षण है। चित में राग की तीव्रता होती है तो वह खीचता चला जाता है। उन्होंने कहा कि राग एक जहर है जो धीरे-धीरे घुलता है लेकिन द्वेष जल्दी घुल जाता है, राग-द्वेष के दलदल से बचना असाना नहीं होता है, बचने के लिए समताभाव धारण करने की जरूरत होती है। समता भाव से ही आत्मा का कल्याण होता है। अच्छी भूमिका, अच्छे लक्ष्य और अच्छे विचारों वाले लोगों को हमेशा मन में, शब्दों में एवं जीवन में याद किया जाता है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम की श्रृंखला में आगामी 29, 30 एवं 31 जुलाई को मोक्ष सप्तमी के उत्सव के उपलक्ष में कल्याण मंदिर विधान का आयोजन मय भक्ति संगीत प्रातः 8 बजे होगा। 31 जुलाई को निर्वाण लड्डू भी चढ़ाया जायेगा। तीर्थराज सम्मेद शिखर सिद्ध क्षैत्र की अनुपम झांकी का अद्भूत दुश्य दिखाया जायेगा। प्रातः काल नियमित रूप से प्रातः शांतिधारा के पश्चात 07.15 बजे नीति क्लास चल रही है, नित्य कार्यक्रम इस प्रकार है - प्रातः 06.30 बजे अभिषेक शांतिधारा, प्रातः 08.30 बजे नित्य प्रवचन, प्रातः 10.15 बजे आहार चर्या, दोपहर 03.30 बजे स्वाध्याय तत्व चर्चा, सांय 06.30 बजे गुरू भक्ति एवं मंगल आरती, रात्रि 9 बजे रात्रि में वैयावृत्ति। मीडिया प्रभारी भागचन्द पाटनी ने बताया कि दिनांक 24.07.2025 से महाराजश्री के कवल चन्द्रायण व्रत (तप साधना) एक माह के लिए प्रारंभ हो चुकी है, जिसके तहत अग्रिम 15 दिन तक एक-एक अंजलि आहार क्रम से बढ़ता हुआ तथा पश्चात 15 दिन तक एक-एक अंजलि घटता हुआ आहार ग्रहण करेंगे।

-भागचन्द पाटनी मीडिया प्रभारी

तेरापंथ महिला मंडल चुनाव सम्पन्न

अध्यक्ष रूपकला भंड़ारी, मंत्री रेखा मरोठी मनोनीत हुई

कोयंबदूर, तमिलनाडु. शाबाश इंडिया

गांधी पार्क स्थित तेरापंथ भवन में तेरापन्थ महिला मंडल का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया। मीडिया प्रभारी दिनेश सालेचा मदुराई ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत बबिता गुनेचा व रेखा मरोठी ने मंगलाचरण से की तत्पश्चात निर्मला बेगवानी एवं निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती मंजु सेठिया ने जैन विधि से मनोनीत नई टीम को शपथ दिलाई जिसमें अध्यक्ष श्रीमती रूपकला भंडारी, मंत्री श्रीमती रेखा मरोठी को मंत्री पद पर नियुक्त किया। अध्यक्ष श्रीमती रूपकला ने पूरी टीम को शपथ दिलाई टीम में कोषाध्यक्ष सविता भंडारी, उपाध्यक्ष बबीता गुनेचा,सह उपाध्यक्ष विजया गेलड़ा, उपमंत्री वंदना पारख, सहउपमंत्री अपराजिता नाहटा, प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति सुराणा,संगठन मंत्री मोनिका लूनिया, कन्या मंडल प्रभारी पूजा मरोठी, कन्या मंडल सह प्रभारी डिंपल बोथरा, कन्या मंडल संयोजिका रुचिका मालू ,सह संयोजिका तन्वी बुच्चा,परामर्शक मधु बांठिया, मंजू घोषल,सीमा चोरड़िया सुशीला बाफना, संरक्षिका सरला रांका,प्रेमदेवी मरोठी, सुआदेवी बुच्चा, उर्मिला गोलछा,यशोदादेवी सुराणा। इस दौरान तेरापंथ सभा अध्यक्ष देवीचंद मंडोत, ट्रस्ट अध्यक्ष महावीर भंडारी, सभा उपाध्यक्ष धनराज सेठिया सहित अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सभी ने नव अध्यक्ष को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती विजया गेलड़ा ने किया।

दड़ी मसूर खां जैन मंदिर में शुरू हुआ घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ सोलह दिवसीय शांतिनाथ महामंडल विधान

आगरा. शाबाश इंडिया। आचार्यश्री सौरभसागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं समस्त मंदिर पुजारीगणों द्वारा सावन मास के पावन अवसर पर गुदड़ी मंसूर खां के श्री शीतलनाथ दिगंबर जैन मंदिर में 25 जुलाई से 9 अगस्त तक चौथा सोलह दिवसीय शांतिनाथ महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसका शुभारंभ शुक्रवार को घटयात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ।जिसमें बड़ी संख्या में सौभाग्यशाली महिलाएं केसरिया साड़ियों में मांगलिक द्रव्य से भरे मंगल कलश लेकर घटयात्रा में चल रही थीं।घटयात्रा गुदड़ी मंसूर खां जैन मंदिर से शुरू होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई वापस जैन मंदिर पहुंची । जहां विधान का ध्वजारोहण वीरेंद्र कुमार जैन, विपिन जैन,ब्रजेश विजय कुमार जैन परिवार भगवान महावीर स्वामी के चित्र का अनावरण प्रदीप जैन,अमन जैन,रविन्द्र जैन,पंकज जैन और दीप प्रज्ज्वलन महेंद्र जैन,जितेन्द्र जैन, प्रवेश जैन द्वारा किया गया। जिसके बाद पंडित सौरभ जैन शास्त्री एवं पंडित रविन्द्र जैन शास्त्री के निर्देशन में जाप शाला,मंडप एवं पूजन की मांगलिक क्रियाएं संपन्न कराई। सोलह दिवसीय श्री शांतिनाथ महामंडल विधान को पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति से करने पर मन की शांति एवं निर्मलता प्राप्त होती है।साथ ही दरिद्रता दूर होकर आर्थिक उन्नति का मार्ग अग्रसर होता है । सांसारिक प्राणी के सभी मनोरथ पूर्ण करने वाला यह विधान वैसे तो कभी भी कराया जा सकता है लेकिन शुक्ल पक्ष में सोलह दिन करने से सभी मनोरथों की पूर्ति होती है।इस अवसर पर मंदिर के व्यवस्थापक सुभाष जैन, नरेश जैन,राकेश जैन पार्षद,ऋषि जैन सुनील जैन,धर्मेंद्र जैन,संजय जैन अशोक जैन,शुभम जैन समस्त गुदड़ी मंसूर खां जैन मंदिर के पुजारीगण एवं सकल जैन समाज के लोग बडी.संख्या में मौजूद रहे। **रिपोर्ट शुभम-जैन**

ट्रस्ट द्वारा प्राथमिक विद्यालय के बालकों को स्टेशनरी वितरित

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

स्वर्गीय शांता देवी जैन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से तहसील के जवास स्थित मदरसा प्राथमिक विद्यालय में अध्यनरत पहली से पांचवी तक के विद्यार्थियों को निशुल्क स्टेशनरी वितरित की गई। स्टेशनरी पाकर नन्हे मुन्ने बच्चों के चेहरे खिल उठे। उल्लेखनीय है कि पूरी तहसील में एकमात्र राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त मदरसा विद्यालय जवास में पिछले कई वर्षों से संचालित है। ट्रस्ट अध्यक्ष दिनेश जैन ने वर्ष 2013-14 से संचालित ट्रस्ट की विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ट्रस्ट के महामंत्री हेमचंद लबाना, वरिष्ठ सदस्य मनोज कोठारी, उपाध्यक्ष प्रतीक जैन, नितिन परमार, सुन्नतुल जमात जवास के सदर शब्बीर खान मकरानी, सेक्रेट्री ईशाक मोहम्मद, निजामुद्दीन मकरानी, मोहम्मद मकबूल मकरानी, कोदर लाल पंचाल, शरीफ खान मकरानी, अब्दुल हमीद मकरानी, मदरसा गुलशने रफाकत जवास के संस्था प्रधान मोहम्मद इकरार मकरानी आदि उपस्थित रहे। अंत में ट्रस्ट की कोषाध्यक्ष रिया जैन द्वारा मदरसा विद्यालय का आभार प्रकट किया गया।

न्यायाधिपति नरेंद्र कुमार जैन की उपस्थिति में णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति की बैठक सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति द्वारा आहूत की गई बैठक न्यायाधिपति नरेंद्र कुमार जैन की उपस्थिति में हुई। णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर के सहकारी समिति में पंजीयन करने का सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया। समिति के अध्यक्ष हरक चन्द बडजात्या हमीरपुर वाले, मंत्री महावीर कुमार चान्दवाड के अनुसार समिति के सभी सदस्यगण की उपस्थिति में णमोकार महामंत्र बैंक संचालन समिति जयपुर के पंजीयक, संस्थाएं, सहकारी समितियां जयपुर के पंजीयन स्वीकृति से पूर्व सदस्यों द्वारा उठायी गई शंकाओं के निवारण करते हुए समिति के विधान पर गहनता से विचार विमर्श कर स्वीकृत कर सर्व सम्मति से पंजीयन कराने का निर्णय लिया गया। विशेष अनुग्रह पर पधारे न्यायाधिपति नरेंद्र कुमार जैन के प्रति आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों के लिए भी आभार व्यक्त किया गया। अध्यक्ष हरक चन्द बडजात्या हमीरपुर वाले की अध्यक्षता में श्री महावीर साधना संस्थान के सभागृह में सभा का आयोजन किया गया।

वेद ज्ञान

जिंदगी में सद्गुण होना जरूरी

हर एक इंसान समझता है कि जो वह कर रहा है, वह सबसे अच्छा है। वह जैसी जिंदगी जी रहा है, उससे अच्छा कुछ नहीं हो सकता। कई बार हम यह भूल जाते हैं कि सद्गुणों का जिंदगी में होना बहुत जरूरी है। इंसान यह भूल जाता है कि जब उसके अंदर घमंड पैदा हो जाता है तो फिर उसके कदम उसे प्रभु से दूर ले जाते हैं। अनेक बार प्रभु की खोज में लगे हुए लोगों के मन में भी घमंड आ जाता है। हम ऐसी जिंदगी जिएं, जो नम्रता से भरपूर हो। कुछ लोगों को अपने आप पर बड़ा घमंड होता है, उन्हें लगता है कि उनके कारण ही सब कुछ हो रहा है। वे सोचते हैं कि मैं बहुत अच्छा हूं, मैं बहुत पढ़-लिख गया हूं, मैंने बहुत पैसे कमा लिए हैं, मेरा बहुत बोलबाला है। अपने अहंकार को काबू में न रखा जाए तो फिर इंसान सच्चाई की जिंदगी नहीं जी पाता, क्योंकि जहां पर घमंड आ जाता है, वहां पर आदमी बढ़-चढ़कर बातें करना शुरू कर देता है, वह सच्चाई को भी बदल देता है। झूठी चीज को भी ऐसे दिखाएगा जैसे वह सच्ची हो। उसकी जिंदगी सच्चाई से दूर होनी शुरू हो जाती है। इंसान अहंकार में सच्चाई से बहुत दूर चला जाता है। अहंकार के कारण ही इंसान को गुस्सा भी आता है। हम यह न सोचें कि सारे गुण जरूरी नहीं हैं। अधूरे और अनियमित विकास से हम अपनी मंजिल तक नहीं पहुंच सकते। हमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, और अहंकार को काबू में करना है और एक संतुलित व स्थिर जिंदगी जीनी है। वह स्थिरता हमें तब मिलती है जब हम अंदर (अंतस) की दुनिया की ओर कदम उठाते हैं। स्थिरता हमें तब मिलती है, जब हम प्रभु की नजदीकी पाते हैं। इंसान को शांति तब मिलती है, उसकी जिंदगी में हलचल तब कम होती है, जब वह अंतर्मन में प्रभु की ज्योति का अनुभव करता है। सब कुछ हमारे अंदर है, लेकिन इंसान का ध्यान बाहर की ओर है। अगर हम अपना ध्यान अंदर की ओर करेंगे तो हम असलियत को जान जाएंगे। हमारे अंदर आध्यात्मिक जागृति आ जाएगी और हमारे कदम तेजी से प्रभु की ओर उठने शुरू हो जाएंगे। हम सब प्रभु को पा सकते हैं। हमें सिर्फ उन्हें दिल से, आत्मा की गहराई से पुकारना है। हमें अपनी रूह को उड़ान देनी है और अंदर की दुनिया में जाना है।

संपादकीय

एक बेहतर कूटनीतिक कामयाबी

भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते को मौजूदा दौर में दुनिया भर में जारी बहुस्तरीय तनाव और दबाव की राजनीति के बीच एक बेहतर कूटनीतिक कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है यह छिपा नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप ने इस बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से शुल्क के मोर्चे पर किस तरह का द्वन्द खड़ा कर दिया है। हालांकि भारत ने अब तक अमेरिका की ओर से पैदा किए गए किसी दबाव के आगे झुकना

स्वीकार नहीं किया है और उसने नए विकल्पों को खड़ा करने और पुराने को मजबूत करने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के अपने समकक्ष के साथ गुरुवार को एक ऐतिहासिक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार में लगभग चौतीस अरब डालर की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। दूसरी ओर, यूरोपीय संघ छोड़ने के बाद ब्रिटेन का यह किसी देश के साथ सबसे बड़ा और आर्थिक रूप से सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण व्यापार समझौता है। इस समझौते से निन्यानबे फीसद भारतीय निर्यात पर शुल्क समाप्त होने के साथ ब्रिटिश कारों, विस्की और कई अन्य वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क में भी कटौती होगी। गौरतलब है कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते को इस निष्कर्ष तक पहुंचने में करीब तीन वर्ष लगे। दरअसल, फिलहाल दुनिया जिस तरह शुल्क के मसले पर व्यापार युद्ध के कगार पर है, उसमें समझौते के हर बिंदु पर कानूनी जांच और आटोमोबाइल उद्योग के संदर्भ में शुल्क छूट से जुड़े मसलों पर विचार करना लाजिमी था अगर यह द्विपक्षीय समझौता जमीन पर उतरता है, तो भारत के वस्त्र जूते, समुद्री खाद्य पदार्थ, इंजीनियरिंग सामान, रत्न और आभूषणों का निर्यात ब्रिटेन के बाजार में और बेहतर पहुंच बना सकेगा साथ ही भारत के कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के लिए भी नई राह खुलने के मौके बनेंगे और इस तरह देश के युवा वर्ग और किसानों के लिए नई संभावनाओं का दरवाजा खुल सकता है। वहीं ब्रिटेन के चिकित्सा उपकरणों और कल-पुर्जे जैसे उत्पाद अब भारत में अपेक्षया कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगे। हालांकि बौद्धिक संपदा अधिकार से जुड़े मसले पर आशंकाएं जताई जाती रही है, इसलिए भारत को आगे भी सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि स्वास्थ्य का अधिकार, सस्ती दवाओं की उपलब्धता और न्यायपूर्ण पेटेंट प्रणाली प्राथमिक चिंता की बात होनी चाहिए। भारत और ब्रिटेन के बीच यह द्विपक्षीय समझौता ऐसे समय में सामने आया है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी शर्तों पर अन्य कई देशों को आर्थिक मसलों पर प्रभावित और संचालित करने की कोशिश कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका की सुविधा के मुताबिक फैसले नहीं लेने पर बेलगाम शुल्क और इससे आगे पाबंदी लगाने तक की बात के बीच किस तरह का व्यापार समझौता सामने आएगा, यह समझा जा सकता है दो देशों के बीच होने वाली बातचीत जब तक द्विपक्षीय और समान हित करने की नीति पर आधारित नहीं होगी, तब तक उसका हासिल भी कुछ ठोस नहीं निकलेगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

एक और युद्ध न हो

था ईलैंड और कंबोडिया के बीच हुई सैन्य झड़प बहुत दुखद और चिंताजनक है। पूर्वी एशिया दशकों से शांत क्षेत्र रहा है, पर वहां जिस तरह से संघर्ष में लड़ाकू विमानों, तोपों और ड्रोन का इस्तेमाल हुआ है, उससे चिंता बहुत बढ़ गई है। संघर्ष में थाईलैंड को अपेक्षाकृत ज्यादा आक्रामक बताया जा रहा है, पर यह भी एक तथ्य है कि संघर्ष में कम से कम 11 थाई नागरिक मारे गए हैं। दोनों पड़ोसी देशों के बीच मामूली सा सीमा विवाद है, लेकिन न सुलझने की वजह से दोनों के बीच सैन्य झड़प की वजह बन गया है। थाईलैंड ने कंबोडियाई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं, जबकि कंबोडिया ने रॉकेट और तोपखाने दागे हैं। दोनों देशों की सीमा पर तनाव काफी बढ़ गया है। यह भी बताया जा रहा है कि कंबोडियाई हमले से थाईलैंड का एक अस्पताल भी प्रभावित हुआ है। यहां यह ध्यान देने की बात है कि शुरूआती रूप से संघर्ष को लेकर थाईलैंड की ओर से प्रतिक्रियाएं ज्यादा आ रही हैं। अतः संघर्ष की सूचनाओं के प्रति सावधानी बरतने की जरूरत है। दोनों देशों को सावधान रहना होगा। अस्पताल और पेट्रोल पंप इत्यादि को निशाना बनाने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। ध्यान रहे, थाईलैंड में जो जनहानि हुई है, वह पेट्रोल पंप को निशाना बनाए जाने से हुई है। हमले तो थाईलैंड की वायु सेना ने भी किए हैं, पर कंबोडिया अपनी क्षति को बताने में शुरूआत में ही पिछड़ गया है। कंबोडिया को सामरिक रूप से कमजोर बताया जा रहा है। अतः युद्ध के भड़कने से सर्वाधिक नुकसान उसे ही होगा। वैसे दोनों ही देशों को समझदारी का परिचय देना चाहिए। पश्चिमी एशिया में युद्ध की स्थिति है, मध्य एशिया में भी तनाव है और अब अगर पूर्वी एशिया में भी युद्ध छिड़ गया, तो बहुत मुश्किल हो जाएगी। पूर्वी एशिया ने अपनी स्थायी शांति की वजह से ही आर्थिक रूप से बहुत तरक्की की है और अब अगर अशांति फैलती है, तो इससे पूरे एशिया पर असर पड़ेगा। जो भी नेता इस संघर्ष को भड़काने का इरादा रखते हैं, दरअसल वे अपने लोगों को ही नहीं, बल्कि पूरे एशिया को परेशानी में डाल रहे हैं। अतः पूर्वी एशिया के अन्य देशों के साथ ही, भारत को भी संघर्ष रोकने के प्रयास करने चाहिए। कंबोडिया और थाईलैंड, दोनों ही एमराल्ड ट्रायंगल नामक क्षेत्र को लेकर विवाद में उलझे हैं। ध्यान रहे, दोनों देशों के बीच सीमा विवाद को लेकर पहले भी तीखी व हिंसक झड़पें हुई हैं, कुछ लोगों की जान भी गई है, पर इस बार जो झड़प हुई है, उसे बहुत गंभीरता से लेना होगा। दुनिया में पहले ही बहुत युद्ध चल रहे हैं, जो रोके नहीं रुक रहे हैं, ऐसे में, एक और युद्ध का छिड़ना खतरनाक होगा। थाईलैंड और कंबोडिया, दोनों से ही भारत के अच्छे संबंध रहे हैं। अतः इस विवाद को जल्दी सुलझाने में भारत की भूमिका हो सकती है। कंबोडिया या थाईलैंड को सावधान रहना होगा, क्योंकि इस मोड़ पर उन्हें युद्ध के लिए भड़काने वाले बहुत मिलेंगे। हम सहज ही देख पा रहे हैं कि रूस व यूक्रेन के बीच या फलस्तीन व इजरायल के बीच संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। ईरान को लेकर भी बहुत तनाव है। यदि हम थोड़ा भी गौर करेंगे, तो हमें समझ में आएगा कि दुनिया में कुछ हिंसक संघर्षों के न रुकने के पीछे क्या कारण हैं? बहुत निंदनीय बात है कि दुनिया के ऐसे अनेक प्रभावशाली देश हैं, जो आतंकवाद और युद्ध में भी अपना व्यावसायिक हित देख रहे हैं। ऐसे स्वार्थी देशों के प्रति सावधान रहने में ही कंबोडिया और थाईलैंड की भलाई है।

शिक्षा व स्वास्थ्य के प्रति समर्पित सेवा जैन मिलन महिला चंदना

भिंड. शाबाश इंडिया

जैन मिलन महिला चंदना शाखा, भिंड द्वारा अद्वितीय सेवा कार्य, जहां सेवा, संस्कार और संवेदनशीलता मिलती है, वहीं समाज के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखी जाती है। कीर्ति स्तंभ मंदिर परिसर में संचालित श्री सम्यज्ञान दिगंबर जैन विराग विद्यापीठ में जैन मिलन महिला चंदना शाखा, भिंड द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री तथा पानी छानने के कपड़े के छन्ने वितरित किए गए। बच्चों को शुद्ध जल सेवन के लाभों की जानकारी भी दी गई, जिससे वे स्वास्थ्य के प्रति सजग बन सकें। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ब्रह्मचारी श्री वीरेंद्र जैन जी का शाखा की बहनों द्वारा सम्मान कर उनके योगदान को सराहा गया। इस अवसर पर शाखा की संस्थापिका श्रीमती नीतू जैन पहाड़िया ने कहाः बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक करना आवश्यक है। पानी छानकर पीने की आदत उन्हें स्वस्थ जीवन की दिशा में ले जाएगी। हमारा प्रयास है कि सेवा के माध्यम से संस्कारों का संचार हो। कार्यक्रम में सहभागिता देने वाली प्रेरणास्रोत बहनें क्षेत्रीय संगठन मंत्री आभा जैन, अध्यक्ष सुनीता जैन, अलका जैन, मोनी जैन, प्रिया जैन, अनीता जैन, विभा जैन, अंजू जैन एवं सुमन जैन, जैन मिलन महिला चंदना शाखा की यह सेवा पहल समाज के लिए एक प्रेरक उदाहरण है। सेवा ही संस्कृति है और यही सच्चा धर्म है। **सोनल जैन की रिपोर्ट**

16 दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान का हुआ आयोजन

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। धर्मानगरी के खंडपुर में स्थित जूना मंदिर नवीन जिनालय में 25 जुलाई से 9 अगस्त तक 16 दिवसीय शांतिनाथ मंडल विधान का आयोजन आर्यिका 105 चिन्मय मति माताजी संसघ के सानिध्य में शुक्ल पक्ष में श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन जूना मंदिर नवीन जिनालय में किया जा रहा है। शांतिनाथ मंडल विधान के पुण्यार्जक व चातुर्मास समिति के अध्यक्ष मुकेश जैन शम्भू परिवार द्वारा बड़े ही भक्ति भाव पूर्वक विधान का आयोजन किया जा रहा है। विधान में मुस्कान दीदी की सुमधुर आवाज व कई भजनों के माध्यम से भक्ति पूर्वक किया जा रहा है ।शानिवार को विधान के पुण्यार्जक परिवार अविनाश जैन, हर्षित जैन, सिद्धार्थ जैन परिवार द्वारा बड़े ही भक्ति भाव से किया जाएगा। प्रातःकाल 6.30 से 7 बजे तक संगीतमय शांतिधारा, प्रातःकाल 7 बजे से संगीतमय शांतिनाथ मंडल विधान, मध्य में माताजी का उद्बोधन किया जा रहा है।

वनतारा और प्रोजेक्ट एलिफेंट ने आयोजित किया हाथियों की सेवा को समर्पित भारत का सबसे बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम

जामनगर में गजसेवकों का 5 दिवसीय महासम्मेलन, 100 से अधिक महावत और विशेषज्ञ लेंगे हिस्सा

जामनगर. शाबाश इंडिया। भारत के प्रमुख वन्यजीव संरक्षण केंद्र वनतारा ने पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रोजेक्ट एलिफेंट के सहयोग से जामनगर में पाँच दिवसीय 'गजराज सम्मेलन' का आयोजन किया है। यह भारत का अब तक का सबसे बड़ा प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो हाथियों की सेवा और देखभाल को समर्पित है। सम्मेलन में 100 से अधिक महावतों और हाथी विशेषज्ञों को पारंपरिक व वैज्ञानिक विधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। वनतारा के सीईओ विवान करानी ने कहा, ''यह सम्मेलन केवल प्रशिक्षण नहीं, बल्कि करुणा और विज्ञान के समन्वय से हाथियों के कल्याण की मजबूत नींव है।'' कार्यक्रम जामनगर स्थित राधे कृष्ण टेंपल एलिफेंट वेलफेयर ट्रस्ट परिसर में हो रहा है। वनतारा में वर्तमान में 250 से अधिक हाथियों की देखभाल की जा रही है, जिनके लिए 500 से अधिक प्रशिक्षित कर्मचारी कार्यरत हैं। कॉन्गो से आए विशेषज्ञ भी प्रशिक्षण में शामिल हैं। अक्टूबर में वनतारा में राष्ट्रीय जू डायरेक्टर्स सम्मेलन भी प्रस्तावित है।

जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई द्वारा राजकीय बालिका कानूनगो विधालय में पौधारोपण किया

निवाई. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई के सेक्रेटरी विमल जौंला के नेतृत्व में राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय कानूनगो में पौधारोपण किया गया। विधालय प्रिंसिपल कोसर सुल्ताना ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्यावरण प्रेमी एवं जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा निवाई के सेक्रेटरी विमल जौंला थे। इस दौरान मुख्य अतिथि जौंला ने उपस्थित शिक्षकों को एवं आंगनबाड़ी कर्मियों को कहा कि पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ मातृभूमि का सम्मान करना भी एक पुण्य है। प्रकृति भी मां की तरह हमारा संरक्षण करती है। वृक्ष जहां हमें जीवन दायिनी आक्सीजन देते हैं वहीं यह ओषधि के रुप में उपयोग लिए जाते हैं। हम सबको पौधारोपण के साथ साथ उनके संरक्षण एवं संवर्धन पर भी ध्यान देना चाहिए। ग्रुप की प्रतिनिधि सुनीता बड़ागांव ने बताया कि पौधारोपण कार्यक्रम में आंगनबाड़ी क्रमिक कान्ता देवी जैन, ललिता वर्मा, अन्जु टेलर, शिक्षिकाऐं मीनाक्षी मीणा, रीटा सिन्धी, कैलाशीदेवी राव, राजू भैया, ने जामुन, नीम आदि के पौधे लगाए गए एवं उसमें पानी डालकर प्रतिदिन पौधों की देखभाल करने का संकल्प लिया।

महावीर इंटरनेशनल की बैठक संपन्न

कई सेवा कार्य करने के हुए निर्णय

खेरवाड़ा. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल केंद्र खेरवाड़ा की बैठक का आयोजन सचिव जितेंद्र जैन के निवास पर अध्यक्ष मुकेश कलाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सर्वप्रथम पूर्व अध्यक्ष निर्मल गांधी एवं पूर्व सचिव नरेश अग्रवाल द्वारा भगवान महावीर की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ प्रार्थना की गई। बैठक में एमआई के स्वर्ण जयंती समारोह के बारे में पूर्व सचिव कमल प्रकाश द्वारा जानकारी दी गई। विगत एक माह में संस्था की तरफ से किए गए सेवा कार्यों की जानकारी सचिव द्वारा साझा की गई। बैठक में आगामी 30 दिनों में एमआई की तरफ से वृक्षारोपण एवं निशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया साथ ही अगस्त में वन भ्रमण कार्यक्रम किया जाना भी प्रस्तावित किया गया। एमआई द्वारा कपड़ों की थैलियां का वितरण भी किए जाने का निर्णय किया गया। सचिव जितेंद्र जैन ने बताया कि बैठक में संरक्षक दिनेश जैन, अध्यक्ष मुकेश कलाल,उपाध्यक्ष पुष्कर जैन, संयुक्त सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष अल्पेश जैन, पूर्व अध्यक्ष बसंत कोठारी एवं निर्मल गांधी, पूर्व सचिव नरेश अग्रवाल,कमल प्रकाश जैन एवं हितेश पंचोली, मुकेश जैन, पूर्व उपाध्यक्ष सुरेश जैन सहित कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थितरहे। राष्ट्रगान के उद्घोष के साथ बैठक का समापन हुआ।

॥ श्री पार्श्वनाथ स्वामिने नमः ॥

श्री 108 अर्चितसागर चातुर्मास व्यवस्था समिति-2025

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर

मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान पार्श्वनाथ भवन

आचार्य पितामह- जगद्गुरु भारत गौरव ... गणाधिपति गणधराचार्य श्री कुन्थुसागरजी गुरुदेव

प.पू. आचार्य 108 श्री देवनंदी जी महाराज

षट्रस त्यागी श्रमण मुनि 108 श्री

अर्चितसागर जी महाराज ससंघ

वर्षायोग मंगल कलश स्थापना

श्रावण शुक्ला तृतीया रविवार, 27 जुलाई 2025
समय - मध्याह्न 2.30 बजे से

पावन वर्षायोग 2025

पूज्य मुनि श्री 108 अर्चितसागर जी मुनिराज

धर्म अनुरागी बन्धुओं,
सादर जय जिनेन्द्र !
चातुर्मास का दिव्य स्वरूप, विनय, सादगी, अहिंसा, तप, त्याग, व्रत, उपवास, पूजा, विधान से होता है। तप और साधना के इस अनुपम अवसर पर 108 श्री अर्चितसागर जी गुरुदेव ससंघ के पावन वर्षायोग कलश की स्थापना रविवार, 27 जुलाई 2025 को मध्याह्न 2.30 बजे से श्री पार्श्वनाथ भवन के विशाल प्रांगण में सैंकड़ों धर्मप्रेमी गुरुभक्तों की गरिमामयी उपस्थिति में होगी।

मांगलिक कार्यक्रम
प्रातः 7:30 बजे - श्री जी का जलाभिषेक, पंचामृत अभिषेक और शांतिधारा
प्रातः10:00 बजे से - आहारचर्या
मध्यान्ह 2:00 बजे से - मंगलाचरण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट, अतिथियों द्वारा श्रीफल भेंट एवं सम्मान पश्चात् गुरुदेव की मंगल वाणी से उद्बोधन और मंगल चातुर्मास कलश की स्थापना पश्चात वात्सल्य भोज

कार्यक्रम स्थल
श्री पार्श्वनाथ भवन प्रांगण
नाटाणियों का रास्ता, जयपुर
कार्यक्रम पश्चात्
वात्सल्य भोज
सायं 5.00बजे से

ध्वजारोहणकर्ता

श्री संजय जी-संदीप जी काला (नवअलंकार)

दीप प्रज्ज्वलनकर्ता

श्री पारस जी-रूबी जी बड़जात्या मनीषा-अर्पित जी जैन बड़जात्या

पार्श्वनाथ कलश

देवप्रकाश जी, सतीश जी-कल्पना जी आदर्श जी, तृप्ति जी खण्डाका एवं समस्त खण्डाका परिवार

पार्श्वनाथ कलश

श्री अशोक जी-कवीता जी, सुयश जी खण्डाका आयुषी जी-शुभम जी केडिया एवं समस्त खण्डाका परिवार

रत्नत्रय कलश

श्री विजय प्रकाश जी-कुसुम जी जिनेश जी, सुरेश जी खण्डाका परिवार

सम्यक् दर्शन कलश स्थापनकर्ता :-
* श्री श्रीकुमार जी-अंशि जी, करण जी खण्डाका

सम्यक् ज्ञान कलश स्थापनकर्ता :-
* श्री आलोक जी, अंकित जी चांदवाड़
* श्री अनिल जी-उमा जी, अरविन्द जी-सुनीता जी, दीपक जी-सीमा जी दीवान पाटनी

सम्यक् चारित्र कलश स्थापनकर्ता :-
* श्री निर्मल जी-शशि जी, ऋतु जी, पृथ्वी जी सोनाणी
* श्री रमेश जी-सुनीता जी, लोकेन्द्र जी-सोनीका जी योगेन्द्रजी-आयुषी जी, रियान जी गंगवाल

संयम स्थापनकर्ता
* श्री पारस जी-रूबी जी बड़जात्या
* श्री रजत जी-कुसुम जी, विधान जी खिन्दूका पाटनी
* श्री विनोद जी- गंगवाल
* श्री मुकेश जी-मधु जी कासलीवाल
* श्री राजीव जी जैन दुर्गापुरा
* श्री रतन जी-रजनी जी खण्डाका
* श्री राजेश जी-अनीता जी, तुषार जी अग्रवाल
* श्री पीतामल जी श्यामसुन्दर जी, अश्विनी कुमार जी अंजनी कुमार जी अग्रवाल
* श्री पदमचन्द जी-कीता देवी, वीरबल जी, लाल बहादुर जी, तेजबहादुर जी, अतिन जी आदीश जी गोदीका परिवार

अहिंसा कलश स्थापनकर्ता
* श्री लोकेश जी-लक्ष्मी जी, शिवि जी अग्रवाल
* श्री नरेश जी छाबड़ा, पानो का दरीबा
* श्री सतीश जी-ममता जी लुहाड़िया
* श्री अरूण जी-निशा जी विश्वास जी चंचल जी शाह
* श्री संदीप जी-शिल्पा जी, सार्थक जी, चेतना जी शाह
* श्री गोपाल लाल जी, कौशल मल जी जैन पंसारी
* श्री अशोक जी- (अशोका गारमेन्ट्स)
* श्री भागचन्द जी-ताराामणी जी, विनय, विशाल जी-नीलू जी, देवांश जी, ऋषभ जी भौंसा
* श्री सुरेश जी-अनिता जी, सिद्धार्थ जी बड़जात्या (गूलपुली वाले)

विशिष्ट आमंत्रित
श्री ललिता जी-संजय जी जायसवाल (पार्षद)
श्री पारस जी जैन (सूरज पोल पार्षद)
श्री पारसजी जैन (मानसरोवर पार्षद)
श्री हिमांशु जी जैन (लालकोठी पार्षद)
श्रीमती अनीता जी जैन (पार्षद)
श्री अरविन्द जी मेठी (पार्षद)
श्री अमरसिंह जी गूर्जर (पार्षद)
श्री कुलदीप जी शर्मा (भाजपा मण्डल अध्यक्ष)
श्री बाबूलाल जी शर्मा (अ. हिन्दू अनाथाश्रम)

आमंत्रित अतिथिगण

श्री प्रदीप जी मामा, भोपाल, श्री अजय जी दोशी, अजमेर, श्री शुभम जी जैन, फरीदाबाद, श्री राजेश जी सौग्या थाईलैण्ड,श्री सिद्धांत जी कीर्ति जी जैन, मुम्बई, श्री रमेश जी-अंजू जैन सूरत, श्री नितिन जी-रिंकी जी जैन, लखनऊ, श्री टीकमचन्द जी नीरज जी पाटनी अजमेर, श्री कमल जी जैन, वीर गांव, श्री राहुल जी-अनीता जी जैन, सूरत, श्री संजय जी जैन, अजमेर, श्री राजेश जी कोठिया, सरवाड़, श्री महावीर गंगवाल, श्री टीकम जी अजमेरा सरवाड़, श्री अजित जी गदिया अजमेर, श्री नाथूलाल जी शाह, श्री पदम जी रवि जी जैन बापानेरी, श्री नीरज जी जैन ग्वालियर, श्री सन्नी जी जैन मनोहराबाद, श्री मनीष जी गौरव जी जैन फिरोजाबाद,श्री राहुल जी जैन (एम आर) फिरोजाबाद, श्री विजय जी अजय जी जैन फिरोजाबाद, श्री विभूति जी जैन दिल्ली, श्री योगेन्द्र जी-आयुषी जी जैन (BHU), बनारस, श्री लोकेन्द्र जी-सोनिका जी गंगवाल (IDFC), भुवनेश्वर

जयपुर से : श्री देव प्रकाश जी खण्डाका, श्री त्रिलोकचन्द जी गोधा, श्री ओमप्रकाश जी काला, श्री राजेश जी गंगवाल, श्री निर्मल जी सोगाणी (परिवहन मंत्रालय), श्री पवन जी राणा, श्री एन.के. सेठी, श्री शांतिकुमार जी-ममता जी सोगाणी (जापान वाले), श्री श्री प्रवीण जी विकास जी बड़जात्या, डॉ. रतन कुमार जी जैन, डॉ. श्री विमल कुमार जी जैन, प्रतिष्ठाचार्य श्री विमल कुमार जैन बनेठा वाले, श्री कमल बाबू जी जैन, श्री सुभाषचन्द जी पाण्ड्या, श्री कुशल जी ठोलिया, रविन्द्र जी बज, श्री मनीष जी बैद, श्री योगेश जी टोडरका, श्री सनील जी बख्शी, एड. सुधीर जी जैन (पद्मपुरा), एड. श्री हेमन्त जी सोगानी, श्री राजकुमार जी कोठ्यारी जी, श्री शैलेन्द्र जी गोधा (समाचार जगत) श्री महावीर जी चांदवाड़, श्री पदम जी बिलाला, श्री सत्येन्द्र जी आंधिका, श्रीमती इन्दिरा जी बड़जात्या, डॉ. श्रीमती माधुरी जी जैन, श्री रूपेन्द्र जी छाबड़ा 'अशोक', श्री रमेश जी गंगवाल, श्री मुकेश जी ब्रह्मपुरी, श्री राजेन्द्र जी पापड़ीवाल, श्री मुकेश जी सेठी-श्री दिनेश जी सेठी, श्री अनुज जी बड़जात्या, श्री संदीप शाह, एवं समस्त मुनिसंघ प्रबन्ध समिति, श्री श्रीकुमार जी खण्डाका, श्री संतकुमार जी खण्डाका, श्री राजकुमारजी खण्डाका, श्री रतन कुमार जी खण्डाका, श्री नेककुमार जी खण्डाका, श्री कुबेर जी खण्डाका, श्री सुमेर जी खण्डाका, श्री दीपक जी खण्डाका, श्री जिनेश जी खण्डाका, श्री सुरेश जी खण्डाका, श्री महेश जी खण्डाका, श्री मुकेश जी खण्डाका, श्री कमल जी खण्डाका, श्री करण जी खण्डाका, श्री रामेश्वर जी रामा अवतार जी गोयल (रूप लक्ष्मी वाले), श्री लक्ष्मीनारायण जी, रविन्द्र जी (मोंटू) फतहपुरिया, श्री बालकिशन जी बलदीप जी गोयल (बाग वाले), श्री राजेश जी अग्रवाल, (एल आर एस), श्री पीतामल जी श्याम सुन्दर जी अश्विनी जी अंजनी जी अग्रवाल, श्री रमेश जी अंकित जी बाकलीवाल (राजवेश), श्री सुनील जी गर्ग, श्री संजय जी गर्ग, श्री रासबिहारी जी (मोटा रूपा वाले), श्री निकुंज जी बम्बई वाले, श्री नवदीप जी-पिंकी जी खेमका, श्री अनिल जी मुंशी महल वाले, श्री सचिन जी रिषभ जी गोधा, श्री पंकज जी ठोलिया, श्री दिनेश जी सेठी, श्री नरेश जी छाबड़ा (पार्श्वनाथ मंदिर), डॉ. कला जी कासलीवाल, श्री सुदीप जी बगड़ा, श्री संजय जी गोधा (पार्श्वनाथ मंदिर) श्री दौलत जी फागी वाले, श्रीमती कुसुम जी जैन (ग्राम भारती समिति), डॉ. सुशील जी कासलीवाल, श्री प्रकाश जी गंगवाल, श्री कमल जी बज, श्री प्रेमचन्द जी भौंसा (संघी जी मंदिर), पूनम चन्द जी सेनाका (स्वीट हाउस), श्री विकास जी जैन, सौगर. (24 महाराज मंदिर), श्री विशाल जी ठोलिया, श्री अनुज जैन (एम आर ज्वेलर्स), श्री आलोक जैन (डीएमसी), श्री ताराचन्द जैन निवाई वाले, श्री विकास जी सोगाणी (सोगानी कैटर्स), श्री विरेन्द्र जैन (खादी ग्रामोद्योग), श्री सुशील जी बाकलीवाल, श्री विनोद जी बिलाला, श्री संजय जी बज (झोटवाड़ा), श्री महावीर जी पाटोदी, डॉ. सत्येन्द्र जी जैन, जयपुर, श्री सुरेश कुमार, श्री जीतू जी गंगवाल, प्रतापनगर, श्री राकेश जी गोदीका (शताब्द इण्डिया), श्री राकेश जी-नीलू जी गोधा (पिंकसिटी न्यूज), श्री विनोद जी कोटखावदा, जयपुर

वात्सल्य भोज पुण्यार्जक - खण्डाका परिवार

आयोजक :- श्री 108 अर्चितसागर चातुर्मास व्यवस्था समिति-2025

संरक्षक	अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	महामंत्री	मंत्री	कोषाध्यक्ष	सह कोषाध्यक्ष	संयुक्त मंत्री	प्रचार मंत्री
श्री विजय प्रकाश जी खण्डाका श्री कुन्दनमल जी सेठी श्री राजीव जी जैन गाजियाबाद	सतीश खण्डाका 9314501235	भागचन्द भौंसा मुकेश कासलीवाल राजीव जैन	अशोक खण्डाका 9829092916	कमल जैन पंसारी 9166671777	निशा शाह 9314409057	एडवोकेट रजत खिन्दूका 7976001750	मोना पाटनी	सुनीता गंगवाल रितु सोगाणी

सहयोगी संस्थाएँ
* श्री नेमिनाथ महिला मंडल, श्री दिगम्बर जैन मन्दिर जी लश्कर
* श्री चौबीस महाराज मन्दिर पूजा मण्डल, जयपुर
* जौहरी बाजार महिला मण्डल, जयपुर
* श्री जिन भक्ति संगठन, जयपुर

कार्यकारिणी सदस्यगण
जिनेन्द्र रांवका, विनोद गंगवाल, अशोक ठोलिया, विनीत सेठी, राजेश सेठी दीपक पापड़ीवाल, मनोज बज, आदेश खण्डाका, सक्षम खण्डाका, रोहित देव खण्डाका, सुयश खण्डाका, धर्मवीर लुहाड़िया, कल्पना खण्डाका, तनि खण्डाका,स्वाति खण्डाका, डिम्पल खण्डाका, खुशी खण्डाका, कवीता खण्डाका, आयुषी खण्डाका, बीना देवी जैन, निधि लुहाड़िया, विजेता लुहाड़िया, ऋचा जैन, ममता जैन, प्रिया जैन, अंजली जैन, मधु हाड़ा, उषा जैन, कुसुम खिन्दूका, रमा बिलाला, सोना बज, तारामणी भौंसा

निवेदक :
सकल दिगम्बर जैन समाज चौकड़ी, मोदीखाना, जयपुर
श्री दिगम्बर जैन मुनिसंघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, जयपुर
महिला जागृति संघ, चौकड़ी मोदीखाना

सौजन्य : श्रीमती सावित्री देवी खण्डाका मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर

सामूहिक रात्रि भोज का त्याग हर जैन को करना चाहिये।

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्शी में हुई 16 दिवसीय शांति विधान का शुभारंभ

शांतिनाथ भगवान से जीवन में शांति प्राप्त होती है ज्ञानश्री

गुन्सी. शाबाश इंडिया। विज्ञाश्री माताजी की सुविज्ञ शिष्या ज्ञानश्री माताजी संसघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान में अनेकों भक्तों ने अतिश्यकारी से शांतिनाथ भगवान की शांति विधान का सौभाग्य प्राप्त किया। सुनील भांजा एवं प्रतीक सेठी ने बताया की देवाधिदेव 1008 शांतिनाथ भगवान के समक्ष 16 दिवसीय शांतिनाथ विधान का शुभारंभ हुआ। माताजी ने संबोधित करते हुये बताया कि -यह विधान जब शुक्ल का पखवाड़ा 16 दिन का होता है उस दिनों में यह विधान किया जाता है यह विधान करने वाले श्रावकों के घर में सुख-शांति समृद्धि, क्लेश, बैर भाव मासिक तनाव, आपसी मन भेद ,एवं मत भेद दोनों , समाप्त हो जाते हैं मानव के जीवन के दो मार्ग हैं एक भक्ति मार्ग जो श्रावक करता है और दूसरा योग मार्ग जो साधु करता है जब जब श्रावक के जीवन जब भी कष्ट आते हैं वो सब भगवान की भक्ति से ही पलायन होते हैं इसी के साथ भक्तों को पूज्य माताजी के प्रवचनों का लाभ भी प्राप्त हुआ ।विज्ञातीर्थ अध्यक्ष सुनील भांजा ने बताया यह विधान प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होगा अभिषेक, शांतिधारा, पूजा , विधान प्रारंभ विसर्जन आदि किया होगी।

देवनानी ने जैन मुनि आचार्य श्री पुलक सागर जी से लिया आशीर्वाद

उदयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को उदयपुर में आचार्य पुलक सागर चातुर्मास समिति-2025 द्वारा आयोजित ज्ञान-गंगा महोत्सव के अन्तरर्गत आचार्य श्री पुलक सागर की 27 दिवसीय प्रवचन श्रृंखला में पहुँचकर उनसे आशीर्वाद लिया। विधान सभा अध्यपक्ष देवनानी ने कहा कि आचार्य श्री पुलक सागर के प्रेरणादायी विचारों से आध्यात्म, संयम, सदाचार एवं आत्मशुद्धि की भावना जागृत होती है। उन्होंने कहा कि ओजस्वी प्रवचनों ने जनमानस में आध्यात्मिक चेतना और नैतिक मूल्यों के प्रति नई ऊर्जा का संचार भी होता है।

उपलब्धि ने अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाकर "एक पेड़ मां के नाम" समर्पित किया

मुकेश जैन लार.शाबाश इंडिया

बड़ागांव धसान। शुक्रवार को ज्ञानोदय प्रतिभास्थाली विद्यपीठ ललितपुर के दयोदय पशु संरक्षण केंद्र गौशाला मे लार निवासी उपलब्धि जैन उत्सव जैन ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक पौधा लगाकर ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान आगे बढ़ाते हुए अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर मुकेश जैन चित्रलेखा जैन,मुन्नालाल पाठक मैनेजर एवं प्रतिभास्थाली की छात्राएं विशेष रूप से उपस्थित रही। इस अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों ने आवला और नीबू का पेड़ लगाया ।उपलब्धि जैन उत्सव जैन ने पौधरोपण करने के बाद कहा की देश के पीएम नरेंद्र मोदी जी ने प्रत्येक देशवासी से अपनी मां के प्रति सम्मान स्वरूप कम से कम एक पौधा अवश्य लगाने की मार्मिक अपील की थी। मुकेश जैन ने बताया अपनी मां के प्रति अपने सम्मान की अभिव्यक्ति के रूप में पौधे रोपित करने से और कोई बड़ा काम नहीं हो सकता है। वहीं चित्रलेखा जैन शिक्षिका ने कहा की पौधारोपण पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि पेड़-पौधे पर्यावरण से अशुद्धियों को सोखकर हमें शुद्ध हवा देते हैं और जल चक्र को बनाए रखने में मदद करते हैं। यह ग्लोबल वार्मिंग को कम करने और प्राकृतिक आपदाओं से बचाने में भी सहायक होते हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में एक पौधा लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य पद की गरिमा को उच्च शिखर तक पहुंचाया आनंद गुरुवर नेः युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी

जन्म जयंती पर युग पुरुष आचार्य आनंद ऋषिजी के जीवन मूल्यों का हुआ गुणगान

पनवेल। श्रमणसंघीय आचार्य सम्राट आनंद ऋषिजी महाराज की 125वीं जन्मजयंती पनवेल के जैन स्थानक में श्रद्धा, तप, जप और गुणगान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर श्रमणसंघीय युवाचार्य प्रवर महेन्द्र ऋषिजी ने आनन्द गुरु को नमन करते हुए उनके जीवन के संयम, सेवा और साधना को प्रेरणाप्रद बताया। युवाचार्य प्रवर ने कहा गुरुदेव ने संयम की चादर को इस प्रकार ओढ़ा कि उस पर कभी कोई दाग नहीं आने दिया। उन्होंने शरीर को साधन बनाकर सदा दूसरों के हित में कार्य किया और आचार्य पद की गरिमा को उच्च शिखर तक पहुंचाया। उनके जीवन का आधार साधना, ज्ञान और आयंबिल तप रहा। उन्होंने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि स्वयं आचरण कर

श्रद्धा, आस्था और संयम का सजीव उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में श्रद्धा का अधिकतर प्रदर्शन हो रहा है, जबकि आचार्यश्री ने आत्मदर्शन की सच्ची श्रद्धा का बीजारोपण किया जो बाहरी दिखावे से नहीं, बल्कि अंतर की निर्मल भावना से पुष्पित होती है। हितमित भाषी हितेश ऋषिजी ने आनंद ऋषिजी को युग पुरुष बताते हुए कहा,यह युग धन्य है,जिसमें आनंद ऋषिजी जैसेआत्मज्ञानी संत का अवतरण हुआ। वे इस युग के भगवान स्वरूप थे जिन्होंने आत्मकल्याण के साथ समाजकल्याण का मार्ग प्रशस्त किया। इस अवसर पर मीराबाई लुणिया ने जन्मजयंती के पर युवाचार्य प्रवर से 195 आयंबिल तप के प्रत्याख्यान लिए। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष राजेश बांठिया, राजेंद्र बांठिया, नितिन मुथोत, शैलेंद्र खेरोदिया, संतोष मुणोत, मनोज बांठिया, विपिन मुनोत, शीतल बांठिया, राकेश संचेती, विजय श्रीमाल, मनोज मुनोत, महावीर सोलंकी, अशोक बोहरा, रणजीत कांकरेचा, प्रकाश कनावट, विलास मुनोत, ललित चंडालिया, हस्तीमल कराड़ सहित प्रेरणा महिला मंडल, आनन्द धार्मिक महिला मंडल, मेवाड़ महिला मंडल आदि सभी ने क्षेत्रीय पनवेल विधायक प्रशांत ठाकुर की मुख्य अतिथि उपस्थिति में मीरा बाई लुणिया को माता मरुदेवी पद से अलंकृत कर अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रणजीत कांकरेचा एवं अशोक बोहरा ने किया उन्होंने जानकारी देते हुये बताया वैशाली गांधी ने 11 उपवासों के प्रत्याख्यान लिए, वहीं अन्य श्रद्धालु भाई-बहनों ने आठ व सात उपवास के प्रत्याख्यान लिए जन्मजयंती के इस पावन अवसर पर पनवेल सकल जैन समाज के सभी श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आयंबिल तप की आराधना की। साथ ही, विधायक श्री प्रशांत ठाकुर ने चातुर्मास समिति के पदाधिकारियों के साथ युवाचार्य श्री के सान्निध्य में जैन साहित्य पुस्तिकाओं का लोकार्पण भी किया। -**प्रवक्ता सुनिल चपलोत**

छात्राओं ने धरा शिव पार्वती का रूप, सावन के पावन माह में भगवान शिव की आराधना

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति ब्यावर द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या पी जी महाविद्यालय के अंतर्गत श्री वर्द्धमान फैशन डिजाइनिंग एण्ड मेकअप आर्टिस्ट विभाग की छात्राओं द्वारा सावन की बेला पर भगवान शिव पार्वती की मधुरम प्रस्तुति दी जैसे साक्षात्प्रभु अवतरित हुए वर्द्धमान परिसर में..इसमें फैशन डिजाइनिंग की छात्राओं द्वारा शिव व पार्वती के वस्त्र डिजाइन किए गए व मेकअप की छात्राओं द्वारा मनमोहक रूप सजाया गया। इस शुभ अवसर पर भगवान शिव की भूमिका महाविद्यालय की छात्रा भावना वैष्णव और माता पार्वती की भूमिका राजश्री चौहान ने निभाई। इस दौरान भगवान शिव पार्वती के स्वरुप का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया साथ ही महादेव के तांडव की प्रस्तुति भी दी गयी और बड़ी संख्या में छात्राओं ने ॐ नमः शिवाय के साथ किया अभिनन्दन.इस अवसर पर शिक्षण समिति मंत्री डा. नरेन्द्र पारख ने छात्राओं द्वारा तैयार किये गए स्वरूपों की प्रशंसा की। साथ ही उन्हें आने वाले समय में अपनी कला के द्वारा हर त्यौहार को महाविद्यालय प्रांगण में अलग तरह से मनाने हेतु प्रोत्साहित किया । महाविद्यालय प्राचार्य डा. आर.सी. लोढा ने छात्राओं द्वारा शुरू किये गए इस नवीन अभिनव की सराहना करते हुए कहा कि साक्षात शिव पार्वती के वर्द्धमान प्रांगण में आगमन से माहौल भक्तिमय हो गया है। यह जीवंत झांकियां मुख्य आकर्षण केंद्र रही और इन्हें देख सभी मन्त्रमुग्ध हो गए इस अवसर पर अकादमिक डीन डॉ. नीलम लोढ़ा ,स्किल नोडल अधिकारी छवि गरवाल, व्याखाता रितु प्रजापति, प्रियंका मंगरोला, नीलम खत्री, भावना सोनी सहित समस्त छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

श्री लोकाशाह जैन नवयुवक मंडल द्वारा गौसेवा एवं पक्षी सेवा

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री लोकाशाह जैन नवयुवक मंडल के तत्वावधान में सेवा कार्यों की श्रृंखला में आज गौसेवा एवं पक्षी सेवा का पुनीत आयोजन किया गया। मंडल अध्यक्ष राजूभाई सेठिया ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत गौमाताओं को 101 किलो गुलगुले एवं हरे चारे का भोग लगाया गया, वहीं जैन दादावाड़ी में कबूतरों के लिए मक्की डालकर पक्षी सेवा की गई। इस सेवा कार्य में मंडल के अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उपस्थित सेवाभावी सदस्यों में प्रमुख रूप से संजय चोरड़िया, अनिल डोसी, संजय खटोड़, रमेश बाकलीवाल, जितेंद्र धारीवाल, तरुण बोहरा, आनंद आबड़, दिनेश सांखला, दीपक शर्मा, जसवंत कोठारी, पारस संचेती, बबलू भैया, दलपत राज बोहरा, हस्तीमल संचेती एवं हुक्मीचंद बोहरा सम्मिलित रहे। यह आयोजन सेवा, करुणा एवं जीवदया की भावना को समर्पित रहा। मंडल द्वारा ऐसे सेवाकार्य निरंतर जारी रहेंगे।

मिट्टी के तवे (केलड़ी) पर उकेरे चित्रों की प्रदर्शनी शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया

शहर की अंबामाता स्कीम स्थित टखमण कला दीर्घा में रंग मल्हार कला उत्सव के तहत मिट्टी के तवों (केलड़ी) पर बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने किया। उद्घाटन अवसर पर कलाविद् प्रो. सुरेश शर्मा विशिष्ट अतिथि रहे। गौरतलब है कि विगत रविवार रंग मल्लार के अंतर्गत इस अनूठे आयोजन में 125 वरिष्ठ, युवा व छात्र कलाकारों द्वारा जीवन की उपयोगी वस्तु माटी के तवे पर रंगों के माध्यम से कलात्मक अभिव्यक्तियां प्रस्तुत की गईं। मुख्य अतिथि ने कलाकारों की इस अभिनव सोच की सराहना की। प्रदर्शनी में बसंत कश्यप, अब्बास बाटलीवाला, श्रीनिवासन अय्यर, ललित शर्मा, रघुनाथ शर्मा, हेमंत द्विवेदी, नसीम अहमद, चारूलता, शर्मिष्ठा चावत सहित अनेक चर्चित कलाकारों की रचनाएं प्रदर्शित की गई हैं। एमएलएसयू की डॉ. यामिनी शर्मा व मीरा कन्या महाविद्यालय के डॉ. दीपक सालवी के साथ कला छात्राओं ने भी भाग लिया। वहीं, सीडलिंग, सेंट ग्रेगोरियस व रेयान्स स्कूल के विद्यार्थियों की कलाकृतियां भी आकर्षण रही। बता दें, गोगुंदा क्षेत्र की ग्रामीण छात्रा खुशबू कुम्हार ने पहली बार शहर में भाग लिया, जिसकी प्रतिभा को सभी ने सराहा और उसे प्रोत्साहन राशि भी दी गई। प्रदर्शनी संयोजक संदीप पालीवाल व दिनेश उपाध्याय ने बताया कि यह प्रदर्शनी रविवार तक प्रतिदिन सुबह 11 से शाम 7 बजे तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

शांति समागम–राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी 27 जुलाई को होगी टोंक में आयोजित

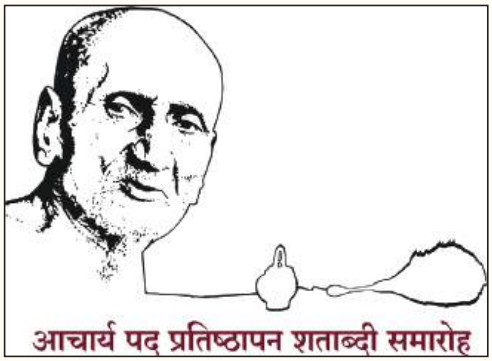

टोंक. शाबाश इंडिया

राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी राजस्थान के टोंक शहर में जैन नसियाँ जी में रविवार,27 जुलाई को प्रातः 8 बजे से विभिन्न सत्रों में परम पूज्य , पंचम- पट्टाधीश, राष्ट्र गौरव, वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री 108 वर्धमान सागरजी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य व आशीर्वाद से 20 वीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांतिसागरजी महाराज के आचार्य पद प्रतिष्ठापन शताब्दी समारोह के अंतर्गत ''शांति समागम-राष्ट्रीय पत्रकार संगोष्ठी'' का एक दिवसीय आयोजन जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र जैन महावीर सनावद (मप्र)के कुशल संयोजन में होने जा रहा है। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन के अनुसार जैन जगत के वरिष्ठ संपादक, पत्रकार, लेखक आदि जिनके की माध्यम से जैन धर्म की यश कीर्ति और आचार्यश्री शांतिसागरजी महाराज के संदेश निरंतर प्रकाशित और प्रसारित किए जाते रहे है कि संगोष्ठी में पूर्ण सहभागिता रहेगी। आचार्य श्री के सानिध्य में - समागम से संवाद - संवाद से समाधान, - समाधान से समन्वय, - समन्वय से समाज,- समाज से सद्भावना, - सद्भावना से समृद्धि- समृद्धि से समानुभूति, - समानुभूति से संवेदना, और संवेदना से शांति पर संगोष्ठी में चर्चा होगी। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया के अनुसार इस संगोष्ठी में देश के विभिन्न प्रान्तों से वरिष्ठ व श्रेष्ठ जैन पत्रकार पहुंच रहे हैं, तिजारिया जी ने सभी जैन पत्रकारों को उपरोक्त संगोष्ठी में 27 जुलाई को प्रातः 8 अग्रवाल जैन नसियां जी टोंक ,राजस्थान पहुंचने का निवेदन किया है। कार्यक्रम का आयोजन वात्सल्य वारिधि वर्धमान वर्षायोग समिति एवं सकल दि.जैन समाज टोंक द्वारा किया जा रहा है। **-प्रेषक : उदयभान जैन**

पुस्तक 'निज से, निज को' का लोकार्पण समारोह 27 जुलाई को जयपुर में आयोजित होगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीणचंद्र छाबड़ा द्वारा रचित पुस्तक ''निज से, निज को'' का लोकार्पण समारोह आगामी 27 जुलाई 2025 (रविवार) को प्रातः 10:30 बजे जयपुर स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब, नारायण सिंह सर्कल में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह की अध्यक्षता ओम थानवी करेंगे, जो हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के संस्थापक कुलपति एवं जनसत्ता के पूर्व संपादक रह चुके हैं। कार्यक्रम में विनोद शंकर दवे (भूतपूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय) और नंद भारद्वाज (हिंदी और राजस्थानी भाषा के वरिष्ठ कवि, कथाकार एवं समीक्षक) विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। समारोह के विशिष्ट वक्ता होंगे विजय त्रिवेदी, जो पूर्व एडिटर एनडीटीवी इंडिया, लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार हैं। मुकेश मीणा - अध्यक्ष प्रेस क्लब और प्रमोद छाबड़ा समन्वयक हैं ।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

क्यों ना हम थोड़ी अकल से काम करे, कब तक नकल का जीवन जीयेंगे ? क्यों ना हम थोड़ा सबसे हटकर जीवन जीये, दूसरों को खुश रहने की सलाह ना देकर,, खुशी की वजह बने..! मैं देख रहा हूं -- आज का हर एक आदमी नकल का जीवन जी रहा है। छोटा हो या बड़ा, रंक हो या राजा, सन्त हो या फकीर, सब ओढ़ा हुआ जीवन जी रहे हैं। सबके उठने-बैठने में, खाने-पीने में, रहने-जीने में, हँसने-बोलने में, रिश्ते निभाने में,, बनावटीपन कहें या दिखावा ज्यादा हो रहा है। सच कहें तो ना वैसा जीवन है, ना वैसे रिश्ते ना वैसा खान पान, ना रहन सहन। जो हमने 25 साल पहले जीवन देखा और जीया था,, वैसा आज अभी नही दिख रहा है, हर चीज में गिरावट आ रही है। यह भी कड़वा सच है कि आने वाले 5-10 साल में जो परिवर्तन होगा, वह आप हम सोच-सोचकर परेशान हो जायेंगे। क्योंकि जो बातें हम 25 साल के जीवन में जाने समझे थे, वो बातें आज 5 साल का बच्चा सब कुछ जान और समझ गया। अपने जीवन के आचार-विचार पर, वाणी-व्यवहार पर, खान-पान पर, रहन-सहन पर, घर-मन्दिर और मण्डी के जीवन पर गौर करना -- आप जो कर रहे हो, वह देखा देखी कर रहे हो या उसमें सोच विचार है, स्वयं की विवेक बुद्धि है या बस किये जा रहे हो। अरे बाबू ! यह जागकर जीने का और आँख खोलकर चलने का समय है। अपना जीवन - अपना ही होगा,, उसे मन की सरलता और हृदय की पवित्रता के साथ जीओ। फिर चाहे निन्दा हो या आलोचना, फिक्र नहीं करना। आप देखना -- निन्दा, आलोचना और गालियाँ, एक दिन सब फूल बन जायेगी। क्योंकि आज के आदमी का स्वभाव बन गया है कि आप अच्छे हैं, तो अच्छे क्यों है- ? और बुरे हैं, तो बुरे क्यों है- ?अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वर्षायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

आत्मा की रक्षा इंद्रियों को विषय भोगों राग द्वेष से नियंत्रित संकुचित करें: आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज

टोंक. शाबाश इंडिया

धर्म सभा में श्रीजी और पूवार्चार्य का चित्र का अनावरण दीप प्रज्वलन विद्यासागर युवा मंच के के सदस्यों द्वारा द्वारा किया जाकर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की एवं भक्तिमय भजनों पर बड़े भक्ति भाव से भक्ति नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं अष्टद्रव्य समर्पित किया ।एवं सुनील सर्राफ ने पूजन व्यवस्था में सहयोग किया।इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने सभी श्रावकों को कच्ची सब्जियों का त्याग देकर नियम दिलाया। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने जीवन में आपदा और कष्ट क्यों आते है, इससे बचने के क्या उपाय हैं, कर्मो का क्या प्रभाव शरीर आत्मा पर होता है अहिंसा , सत्य धर्म का जीवन में क्या महत्व है इसकी प्रवचन में विवेचना की संसारी प्राणी को आपदा या कष्ट से निराशा होती है और वर्तमान में गरीबी दरिद्रता भी आपदा कष्ट है यह देशना वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने प्रगट की। जैन धर्म प्रचारक पवन कंटान व विकास जागीरदार अनुसार आचार्य श्री ने बताया श्री आदिनाथ भगवान से लेकर श्री महावीर स्वामी तक सभी तीर्थंकरों ने कष्ट आपदा से दूर होने के लिए धर्म का उपाय बताया है। धर्म उपदेश को सुनकर,धारण कर ग्रहण करना चाहिए ।जिस प्रकार इंजीनियर मकान बनाता हैं उसी प्रकार निर्माण ,नाम ओर आयु कर्म शरीर को निर्धारित करते हैं संसार में जन्म मरण से छुटकारे का उपाय धर्म से प्राप्त होता हैं जीवन में अहिंसा का महत्व है राग द्वेष विषय भोगों से आत्म धर्म को हिंसा से बचाने का पुरुषार्थ करना चाहिए।इसका उपाय बताया कि कछुआ जिस प्रकार संकट आने पर शरीर के अंगों को संकुचित नियंत्रित शरीर को कठोर बनाता हैं धर्म के बिना सभी निर्धन दरिद्र है जीवन में प्राप्त तीर्थंकर कुल से जीवन को उच्च बनाकर मानव जीवन सफल करे। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री देशना मति माताजी का प्रवचन हुआ माताजी ने आठ कर्मों के बारे में बताया । ओर कहा कि मनुष्य जैसा कर्म करेगा वैसा उसको उसके कर्म का फल अवश्य मिलेगा । मोहनीय कर्म को सबसे खराब कर्म बताया ।माताजी ने चार कसाय इनद्रियों के बारे में बताया ।आचार्य श्री संघ के आहार के चौके लगाने के लिए बाहर के नगरों से काफी भक्त पधार रहे हैं टोंक सहित इंदौर पारसोला निवाई के चौके लगे हैं, पारसचंद, सुरेन्द्र कुमार, नरेंद्र, अंशुल छामुनिया परिवार को आज आचार्य श्री का आहार कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आचार्य शांतिसागर शताब्दी महोत्सव के अंतर्गत प्रेमचंद अशोक कुमार झिराना, जंबू आंडरा परिवार, धर्म चंद अभिषेक कुमार आंडरा परिवार, भागचंद ज्ञानचंद टोरडी परिवार, राकेश कुमार दिनेश कुमार गोठड़ा परिवार में कलश स्थापित किए। इस मौके पर पदमचंद आंडरा, भागचंद फूलेता, धर्मचंद दाखिया, कमल आंडरा, विमल बरवास, नंदलाल संघी, महावीर देवली, राजेश सर्राफ, कमल सर्राफ, पंकज फूलेता, ओम ककोड़, एंजे दाखिया, अंशुल आरटी, अम्मू छामुनिया, अंकुर पाटनी, रमेश काला, विद्यासागर युवा मंच के उमेश संघी, टोनी आंडरा, मुकेश दतवास, अंकित बगड़ी, पारस खुरेडा, धर्मेंद्र पासरोटियां, जीतू मित्तल, ज्ञान संघी, सोनू बरवास, दीपक फागी, मुकेश मित्तल, टोनी पाटनी, आदि उपस्थित रहे ।

दानिश कुंज भोपाल में सोलह दिवसीय शांतिविधान का हुआ शुभारंभ सान्निध्य गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में दानिश कुंज भोपाल में सोलह दिवसीय शांति विधान का शुभारंभ हुआ। भक्तों ने अभिषेक शांतिधारा के पश्चात गुरु पूजन कर पूज्य गुरु मां के अमृत वचनों को सुनने का लाभ प्राप्त किया। पूज्य माताजी ने सभी को मंगल उद्बोधन देते हुए कहा कि - देव - शास्त्र - गुरु की भक्ति करना चाहिए।इनकी भक्ति तात्कालिक फल को देने वाले होती हैं। बस जरूरत है उसमें श्रद्धा का पासवर्ड डालने की। अपने भक्ति रुपी कार्ड में श्रद्धा रुपी पासवर्ड डालेंगे तो पैसा रुपी फल अवश्य मिलेगा। माताजी ने सभी को धर्म का मर्म समझाते हुए कहा कि - देव शास्त्र गुरु अर्थात मंदिर पाप काटने का साधन है पाप जोड़ने का नहीं। ये ताला खोलने का साधन है ताला लगाने का नहीं। अपने ज्ञान की विवेक की आंखें खोल लो तो आपका ज्ञान रुपी ताला स्वतः खुल जायेंगे। हम धर्म तो करते पर उसमें श्रद्धा नहीं रखते । यदि प्रभु पर श्रद्धा हो तो अग्नि का नीर बन जाता है । नाग का हार और जहर का अमृत बन जाता है। सीता , सोमा , मैना आदि जितनी भी सतियां हुई है सभी ने प्रभु पर श्रद्धा करके उनका ध्यान करके अपने बड़े - बड़े कष्टों को दूर किया। सायंकाल आनंद यात्रा, गुरु भक्ति एवं संगीतमय आरती का अवसर भी भक्तों ने प्राप्त किया। आगामी 2 अगस्त को पूज्य माताजी का 54 वां अवतरण दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जायेगा।

ज्ञानी सज्जन पुरुष सर्वग प्रभु की बात को मान कर जगत का हित करने में लगे रहते हैं: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

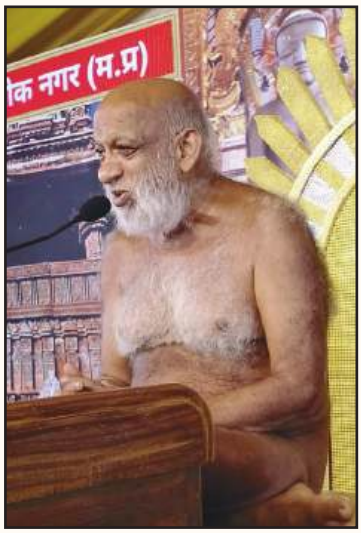

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

ज्ञानी सज्जन उस बात को मानते हैं जो सर्वग भगवान ने कही हं दुनिया में कुछ ऐसे जीव भी होते हैं जिनको तर्क वितर्क से कोई मतलब नहीं वे तो यह कहते थे कि महा पुरुषो ने जो सन्देश दिया है वहीं सही है तो मुझे आदेश दिजीये, आज्ञा सम्यक दर्शन ज्ञानी सज्जन पुरुष जो कुछ नहीं आगम में जो कुछ कहा है उसे मन्ना है रेवती रानी हुए हैं उन्होंने कहा कि भगवान जो कुछ कहा है मैं कुछ नहीं जानते मैं तो आपको जानता हूं मुझे कुछ नहीं सत्य है तो जो आपने कहा है वो ही सत्य है। सब सत्य है जिनवाणी में सन्देश हो रहा हो तो तुम ये लिखा किसने है जगत का हित करने वालो गुरु ने सर्वग ने कहा है वो सब सत्य ही है महानूभाव यदि गुरु ने नीम के पेड़ को ईमली का पेड़ कह दिया तो इमली मान लेना फिर देखना विश्वास का चमत्कार उक्तआश्य के उद्गार मुनिपुंगवश्रीसुधासागर जी महाराज ने सुभाष गंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए

जो हमारे लिए नहीं हम उसके लिए नहीं

उन्होंने कहा कि जो हमारे लिए नहीं हम उसके लिए नहीं जो हमारे लिए है हम उसके लिए है जव भी कोई आपको कहे ये त्याग कर दो तो आप ये देख लेना कि इसका स्वार्थ तो नहीं है उपदेश देना जरूरी नहीं हं जो भगवान जानते हैं वहीं उतना ही मैं जानता है मैं कुछ नहीं जानता कभी तुम्हारा भाव जी कहने का हो जाएं किसने कहाभगवान ने, गुरु ने ,माता पिता ने कहा तो आप जी कहकर सुइकार कर लेना अपने को क्या करना है वस अपने को जी कहना है यदि आपने कहा कि आप पहले बताइए कि क्या करना है समझ लेना।

पाठशालाओं की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगंबर जैन मंदिरों में लगने वाली 4 पाठशालाओं के विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया । इनमें, राजेंद्र नगर चन्द्र प्रभु पॉठशाला को मिला प्रथम स्थान । धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू एवं दीपक पाटनी ने बताया कि यंग जैन स्टडी ग्रुप द्वारा इंदौर शहर के मंदिरों में संचालित धार्मिक पाठशालाओं की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मंदिरों में आयोजित की जा रही है। श्रीमती मिंटा अजय जैन ने बताया कि जैन समाज वरिष्ठ विद्वान प्रकाश छाबड़ा के द्वारा प्रकाशित लेवल 1 से 5, छहढाला के भाग एवं सामान्य ज्ञान की यह प्रतियोगिता श्री चंद्रप्रभ दिग. जैन मंदिर राजेंद्र नगर में आयोजित की गई, जिसमें 4 पाठशालाओं ने सहभागिता राजेंद्र नगर, वैशाली नगर , परिवहन नगर एवं अवॉसा के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रश्न मंच का संचालन के पूर्व व्दीप प्रज्वलित कमल बाकलीवाल,कैलाश लुहाड़िया ने किया ,मंगलाचरण पॉठशाला की टीचर श्रीमती श्रुती जैन एंव टीम द्वारा प्रस्तुत किया गया। प्रश्न मंच मे अनेक अनेक धार्मिक प्रश्न पूछे गए की छोटे छोटे बच्चों ने तुरंत जबाब दिए ओर बडे देखते रह गए। प्रथम स्थान चन्द्र प्रभु दिगम्बर जैन मंदिर राजेन्द्र नगर को प्राप्त हुआ, जिसमें बैबी पार्श्वी जैन,बैबी सिद्धि जैन तथा बैबी अवनी पाटनी थे तथा द्वितीय स्थान अवॉसा को प्राप्त हुआ जिसमें अर्नव जैन, पिहू जैन तथा निधि जैन भाग ले रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीपक पाटनी राजेंद्र नगर ने की एवं मुख्य अतिथि श्रीमती पारस बडजात्या , विशेष अतिथि अध्यापक परिवहन नगर नवनीत जैन थे। सभी मंदिरों के सदस्यों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही एवं सभी ने ऐसे आयोजन की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। पुरस्कार वितरण राजेन्द्र नगर समाज अध्यक्ष कैलाश पाटनी,देवेन्द्र छाबड़ा एवं राजेश पांड्या, वैशाली नगर ने किया। इस अवसर पर अमन जैन,रोहित जैन,अंशुल जैन, मुकेश पाटनी ,डॉ सुधीर कटॉरिया,विकास जैन,विधी बडजात्या, विनिता पाटनी एंव महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मीना कैलाश पाटनी , रश्मि ललीत जैन, आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

लक्ष्य ट्रेडर्स को मिला अवॉर्ड

जयपुर। आज दिनांक 25 जुलाई को इस सुहानी शाम में The Taj Palace Zone By the Park में रेडियो मिर्ची 98.3 FM की तरफ से lakshya Traders को बेस्ट viaualization एंड ब्रांडिंग का अवॉर्ड मिला ।ऐसे ही आप सब का प्यार हम सब को मिलता रहे, लक्ष्य ट्रेडर्स

वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने अपना जन्मदिन वृक्षारोपण कर मनाया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने आज चूलगिरी क्षेत्र पर अभिषेक के बाद पूजा अर्चना की। चूलगिरी पर 100 पौधे रोप कर सघन वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया। वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चंद्र छाबड़ा ने आज शुक्रवार को 96 वर्ष में प्रवेश किया।

नीरजा मोदी स्कूल में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

नीरजा मोदी स्कूल में दो दिवासिय खेल प्रतियोगिताओ का आयोजन किया। इसमें 21 स्कूलों सहित 500 छात्र छात्राओं ने भाग लिया। कैंब्रिज कोर्ट हाई स्कूल के 14 छात्र छात्राओं ने मेडल प्राप्त किये जिसमें 3 गोल्ड 4सिल्वर और 7 ब्रोंज मेडल प्राप्त किए गए । कोच सुंदरलाल की उपस्थिति में कक्षा 8 की छात्रा ने 500 मीटर की रेस अंडर 17 ग्रुप इन लाइन सकेटिंग में अहाना जैन बाकलीवाल ने गोल्ड मेडल सहित बेस्ट प्लेयर की ट्रॉफी प्राप्त की । यह ट्रॉफी और मेडल स्पोर्ट्स हेड रेणुका शर्मा द्वारा पहने गए और बच्चों का मनोबल बढ़ाया।

पर्यावरण बचाओ अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण संपन्न

मदनगंज-किशनगढ़. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति के तत्वावधान में आज न्यू बस स्टैंड, स्थित लव कुश वाटिका में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।पर्यावरण मंत्री ममता बोहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वप्रथम समिति की अध्यक्ष मोना झांझरी, महामंत्री ऊषा गौधा, कोषाध्यक्ष अन्तिमाँ झांझरी, युवा प्रकोष्ठ रीटा गंगवाल ने मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की शुरूआत की। उसके बाद हारसिणगांर, अशोका, नीम, गुलमोहर, शीशम कचनार, कोना कार्पस, बर्गत(बड), गुडेल मोगनी, बादाम केसरया श्याम आदि अलग-अलग किस्म के वृक्ष समिति की बहनों के द्वारा लगाए गए। कार्यक्रम में आरके मार्बल से सुशीला पाटनी ने भी शिरकत की और सभी महिलाओं को यह संदेश दिया कि अपने जीवन में सभी को वृक्ष लगाना चाहिए। वृक्ष है तो जीवन है ।वृक्षों का हमारे जीवन में महत्व पर प्रकाश डाला ।महामंत्री ऊषा गौधा ने बताया कि इस अभियान में एक दिन पहले 24 जुलाई को लव कुश वाटिका को वृक्षारोपण के लिए तैयार किया गया और बहनों ने पेड़ लगाने के के लिए गड्ढे खोदे और फिर 25 जुलाई को पेड़ लगाने के पश्चात सभी पेड़ों में पानी दिया गया। अध्यक्षा मोना झांझरी ने इन पेड़ों के रखरखाव और संरक्षण के पूरे प्रावधान की न केवल जानकारी दी, बल्कि श्री दिगंबर जैन महिला महा समिति के द्वारा इस जिम्मेदारी के निर्वहन का वादा भी किया । कार्यक्रम में जूली चौधरी, ऊषा बाकलीवाल, प्रीति छावड़ा, संगीता गंगवाल, सिम्पल बाकलीवाल, पल्लवी गंगवाल, सुमनलता जैन, भावना पहाड़िया, सुषमा दोसी, सुनीता सोगानी, सुनीता काला, मुन्नी दगडा, सरिता पहाड़िया अनुराधा जैन सरोज गौधा, संध्या दगड़ा, मंजू गंगवाल , वरिष्ठ समाजसेवी देवेंद्र झांझरी, पार्षद सुशील अजमेरा, हनुमान कुमावत आदि उपस्थित रहे ।पर्यावरण मंत्री ऊषा दगड़ा ने बताया कि कुल 200 वृक्ष लगाए गए ।अंत में अध्यक्षा मोना झांझरी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

शास्त्रीय और समकालीन म्यूजिक का अनिरुद्ध वर्मा ने करवाया संगम

साडे नाल से लेकर शंकरा तक की रचना ने दर्शकों को बांधे रखा, जयपुर में दिखा नया नजारा

जयपुर. कासं। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर के मुख्य सभागार में शुक्रवार की शाम संगीत प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव लेकर आई, जब प्रख्यात संगीतकार और पियानोवादक अनिरुद्ध वर्मा के नेतृत्व में 'अनिरुद्ध वर्मा कलेक्टिव' ने मंच पर अपनी जादुई प्रस्तुति दी। यह प्रस्तुति भारतीय शास्त्रीय संगीत और आधुनिक साउंडस्केप्स का एक अद्वितीय मेल थी, जिसने सभागार में उपस्थित दर्शकों को पूरी तरह से भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत दिल को छू लेने वाली रचना साडे नाल से हुई, जिसने जैसे ही सुर पकड़े, पूरा माहौल संगीत में डूब गया। इसके बाद जयजैवंती, निर्भय निर्गुण, मौसम और शंकरा जैसी रचनाएं श्रोताओं को एक सांगीतिक यात्रा पर ले गईं, जहां परंपरा और नवाचार का अद्भुत संगम देखने को मिला। प्रस्तुत की गई प्रमुख रचनाओं में साडे नाल, बाजो, गावती, जयजैवंती, रास रचत, मौसम, निर्भय निर्गुण, मेघ, कुछ दूरियां, काहे करत, भीमपलासी और शंकरा शामिल रही।

जेनेश्वरी दीक्षा की तारीख रविवार को होगी घोषित

शांत चित्त ही आगे बढ़ने का मार्ग : आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज

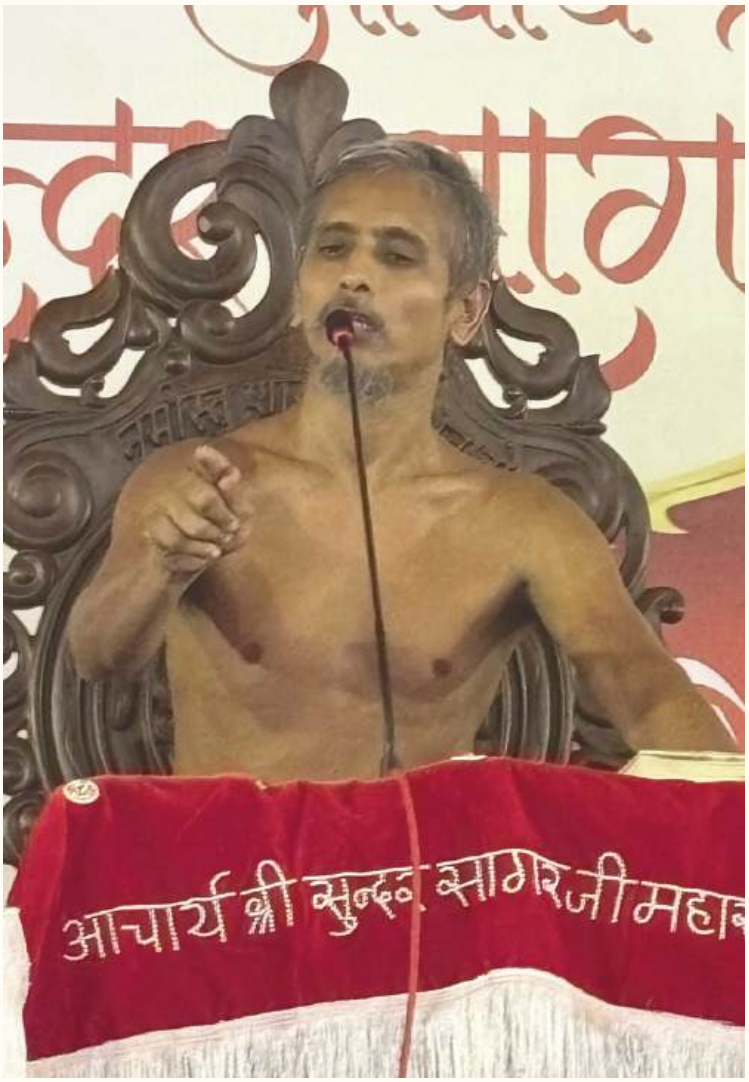

जयपुर. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री सुंदर सागर महाराज का ससंघ चातुर्मास सांगानेर की चित्रकूट कॉलोनी के श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर मे चल रहा है। संयोजक कैलाश चंद सोगानी व सुनील जैन ने बताया कि आचार्य श्री के सानिध्य मे जेनेश्वरी दिक्षाये जयपुर मै होना प्रस्तावित है। उक्त दीक्षाओ की तिथि घोषित करने के लिए रविवार को मुख्य संयोजक राजीव जैन गाजियाबाद व देव प्रकाश खंडाका के सानिध्य मे समाज द्वारा निवेदन किया जाकर श्रीफल भेंट किया जायेगा जिसके बाद आचार्य श्री द्वारा धर्म सभा मे तिथि घोषित की जायेगी। आचार्य श्री ने प्रवचन मे कहा कि देव शास्त्र गुरु के सानिध्य मे बैठने वाले लोगों के अशुभ परिणाम नहीं होते हैं अशुभ कर्मों के उदय होने से मोक्ष की प्राप्ति नही हो सकती हैं। जैन होने बाद भी देव शास्त्र गुरु के पास नहीं आए तो समझ लेना अशुभ आयु कर्म का उदय हो रहा है । साधु संतों की संगत मे बैठकर देव शास्त्र गुरु की देशना सुनने से व्यक्ति के बुरे परिणामों का नाश होता है। उन्होंने कहा कि धर्म सभा मे बैठने कुछ समझ मे आए या ना आए पर जितने समय तक हम बैठते है उतने समय तक कम से कम अशुभ परिणाम तो नहीं आयेंगे। वीतराग शासन मे इंसानों को ही नही पशुओं को भगवान बनते देखा है। अगर भाव से भक्ति की जाए तो एक इंद्री जीव भी देव बन सकता है। आचार्य श्री ने कहा कि आठ कर्मों में से आयु कर्म ही ऐसा है जो आपको इस जीवन मे भगवान बना सकता है वह है आयु कर्म। यदि आयु कर्म का विनाश कर दिया तो भगवान बन गए और आयु कर्म को बिगाड़ लिया तो नर्क में जाओगे । पायल शोर करती है तो पैरों में पहनी जाती है, और बिंदी शांत रहती तो सर पर लगाई जाती है जो व्यक्ति देव शास्त्र गुरु के पास जा कर भी निंदा करते हैं वे लोग नीचे की ओर जाते हैं और जो वहां जाकर अच्छे भाव रखते हैं, परमात्मा अपने भाव बनाते हैं वह ऊपर की ओर जाते हैं। अध्यक्ष अनिल जैन काशीपुरा व मंत्री मूलचंद पाटनी ने बताया की सांयकाल आगम युक्त समाधान का कार्यक्रम होता है।